Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 18-08-2006
Participants : Rathod Shri Harisingh Nasaru,Athawale Shri Ramdas,Ahir Shri Hansraj Gangaram

an>

Title : Flood situation in Maharashtra.

श्री हरिभाऊ राठौड़ (यवतमाल) : सभापति महोदय, पांच अगस्त को महाराट्र में भारी बरसात हुई, बाढ़ आई और इसी बीच मेरे इलाके के 108 गांव इस बाढ़ की चपेट में बह गये। यह केवल बाढ़ से नहीं हुआ बल्कि यह जो डैम का पानी है और डैम से जो पानी छोड़ा गया, इसकी सूचना लोगों को नही दी गई और् जो आधी रात को लोग नींद में सोये हुए थे, ऐसी परिस्थिति में मेरे इलाके के पूरे 108 गांव पानी में डूब गये। अगर डैम का पानी छोड़ना था तो इसके बारे में नदी के किनारे बसे लोगों को पहले से क्यों नहीं सूचित किया गया ? इसके लिए कौन जिम्मेदार है ? लोग बाढ़ में बह गये, उनकी खेती के औजार, इलैक्ट्रॉनिक पाइप, मोटर पाइप सारे खेती के सामान इस पानी में बह चुके हैं। माननीय प्रधान मंत्री जी ने महाराट्र का दौरा किया था और महाराट्र के मुख्य मंत्री भी आए लेकिन आज भी बाढ़ से प्रभावित लोगों को मुआवजा नहीं मिला है। प्राकृतिक आपदा के प्रबंधन के बारे में सरकार ने अच्छा कदम उठाया है लेकिन महाराट्र में आपदा प्रबंधन वाले अभी नहीं पहुंचे हैं।

सभापति महोदय : आपकी मांग क्या है, यह बताइए। आपका समय लिमिटेड cè[R90]।

श्री हरिभाऊ राठौड़ : हैलीकॉप्टर की मांग होती रही है, स्टीमर की मांग होती रही है लेकिन वे दो दिन तक नहीं पहुंचे। प्रभु की कृपा हुई और बरसात कम हुई तो ये लोग बच गये। मेरी मांग है कि जो पुनर्वास का काम चालू है, उसे केवल घर देने से काम नहीं चलेगा। 108 गांव हैं जिनके मन में यह डर बस गया है कि कभी भी डैंम का पानी छोड़ना पड़ेगा। इसलिये लोगों को ऐसी जगह पर बसाना है जैसे कोई प्रोजैक्ट बनाते हैं और उसके बाद पुनर्वास का कानून होता है, उसके तहत इसका पुनर्वास होना चाहिये।

MR. CHAIRMAN : Shri Hansraj G. Ahir and Shri Ramdas Athawale associated themselves with the matter raised by Shri Haribhau Rathod.